भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

भारतमाला

प्रगति की नई गति

राजस्थान

कम समय में अधिक सफर

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों का जिस तेजी से विकास हुआ है, उससे गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश तक पहुंचना आसान हो गया है। राजस्थान में 2014 तक राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 7,496 किमी थी। 2018 में लंबाई 14,465 किमी तक पहुंच गई है। सिर्फ चार साल में राष्ट्रीय राजमार्गों की संख्या 35 से बढ़कर 85 हो गई है। 10,000 करोड़ रुपए के सड़क विकास कार्य पूरा कर लिया गया है और 12,000 करोड़ रुपए की लागत वाले 1,995 किलोमीटर के काम को तेजी से पूरा किया जा रहा है। आने वाले साल में राजस्थान के लिए 2 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं की योजना बनाई गई है।

जब अच्छी सड़कों का नेटवर्क बनाया जाता है, तो देश की अर्थव्यवस्था भी गतिशील हो जाती है। सड़कें राष्ट्र की नसें और धमनियां हैं, जो विकास की गति को बदलने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि समृद्धि हमारे देश के दूरस्थ कोने तक पहुंच सके।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री

पिछले चार साल में हमने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 1,26,350 किमी तक बढ़ा दी है। 2014 से 2018 के बीच राजमार्ग क्षेत्र में 20% की वृद्धि आई है। पर्यटन स्थलों, सीमा क्षेत्र, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। सड़क, रेल और बंदरगाह के बीच सम्पर्क बढ़ाए गए हैं। इसके माध्यम से बहुआयामी सामाजिक आर्थिक विकास के साथ लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

आने वाले वर्षों में हमने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं पर काम करने की योजना बनाई है।

नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, नौवहन एवं जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प

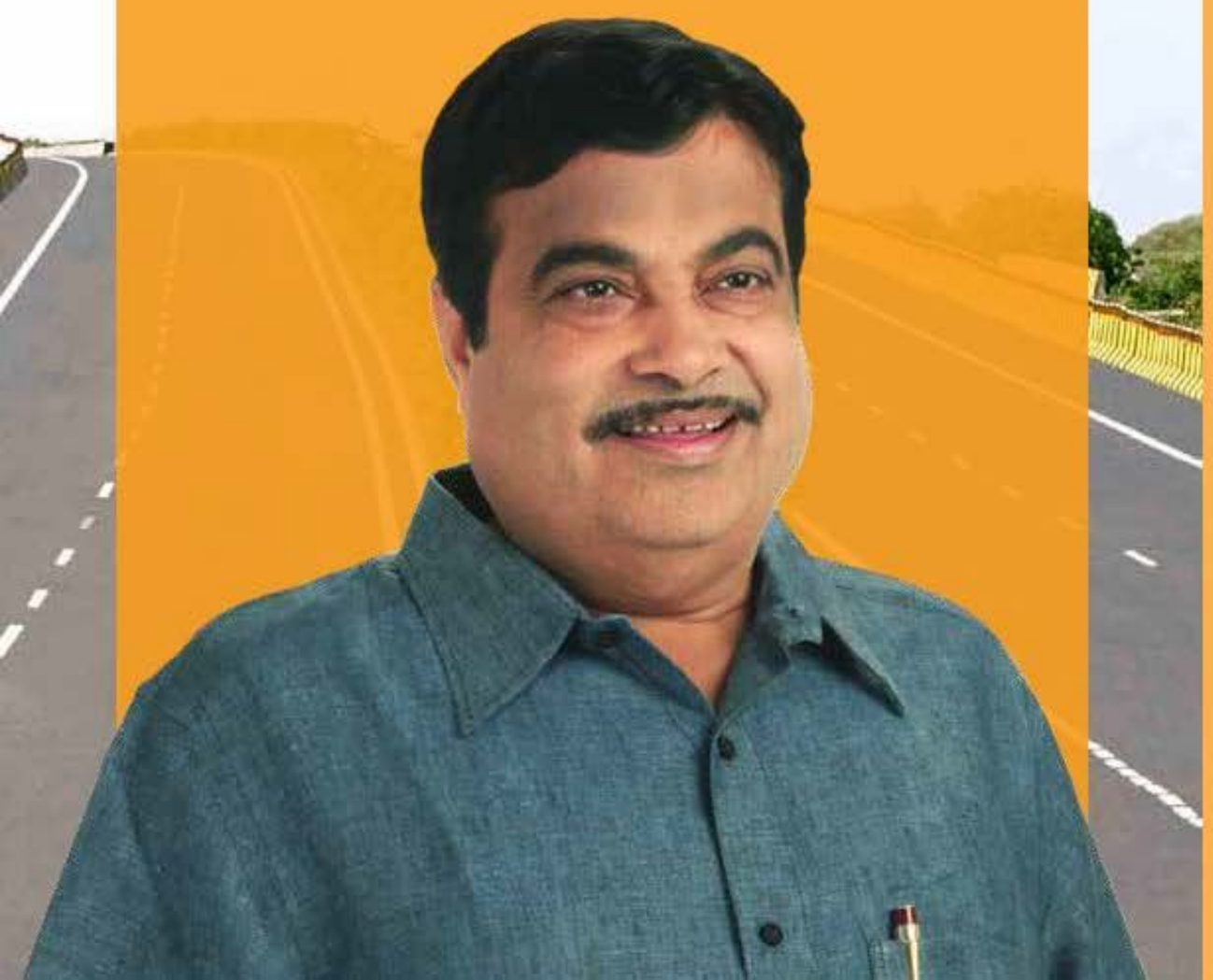

राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई में वृद्धि

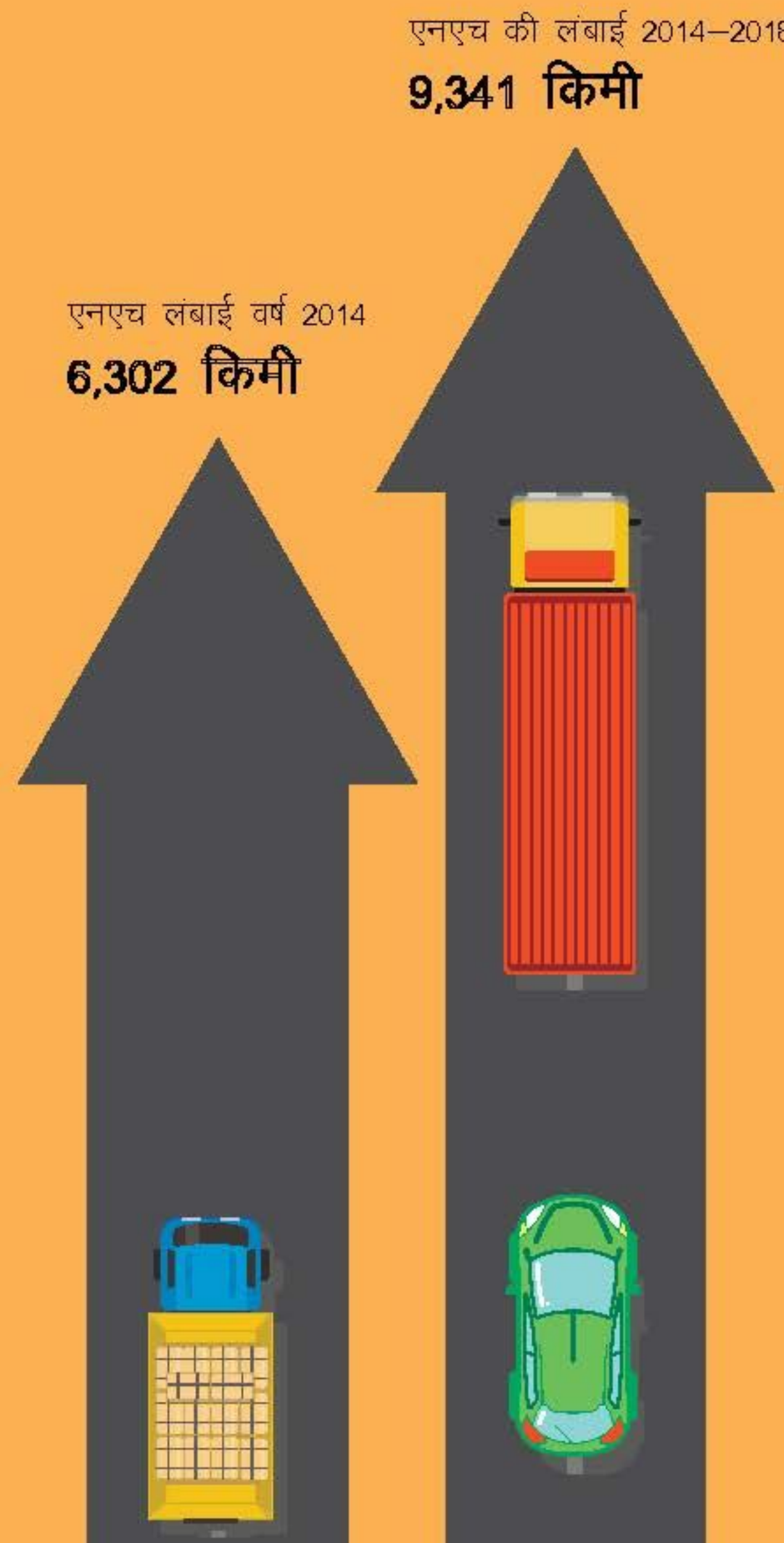

राजस्थान में नए राष्ट्रीय राजमार्ग

2,511 किमी
वर्ष 2010–2014
नए राष्ट्रीय राजमार्ग

9,561 किमी
वर्ष 2014–2018
नए राष्ट्रीय राजमार्ग और सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई

राजस्थान में सड़क निर्माण

1,207 किमी
वर्ष 2010–2014
निर्मित लंबाई

3,263 किमी
वर्ष 2014–2018
निर्मित लंबाई

3,263 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण 4 वर्षों में किया गया है।

राजस्थान में अवार्ड सड़क परियोजनाएं

वर्ष 2010–2014

1,523 किमी

कुल लागत
7,702 करोड़

वर्ष 2014–2018

4,797 किमी

कुल लागत
24,457 करोड़

राजस्थान में सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

वर्ष 2010–2014

कुल लागत
734.03 करोड़

वर्ष 2014–2018

कुल लागत
2,848.72 करोड़

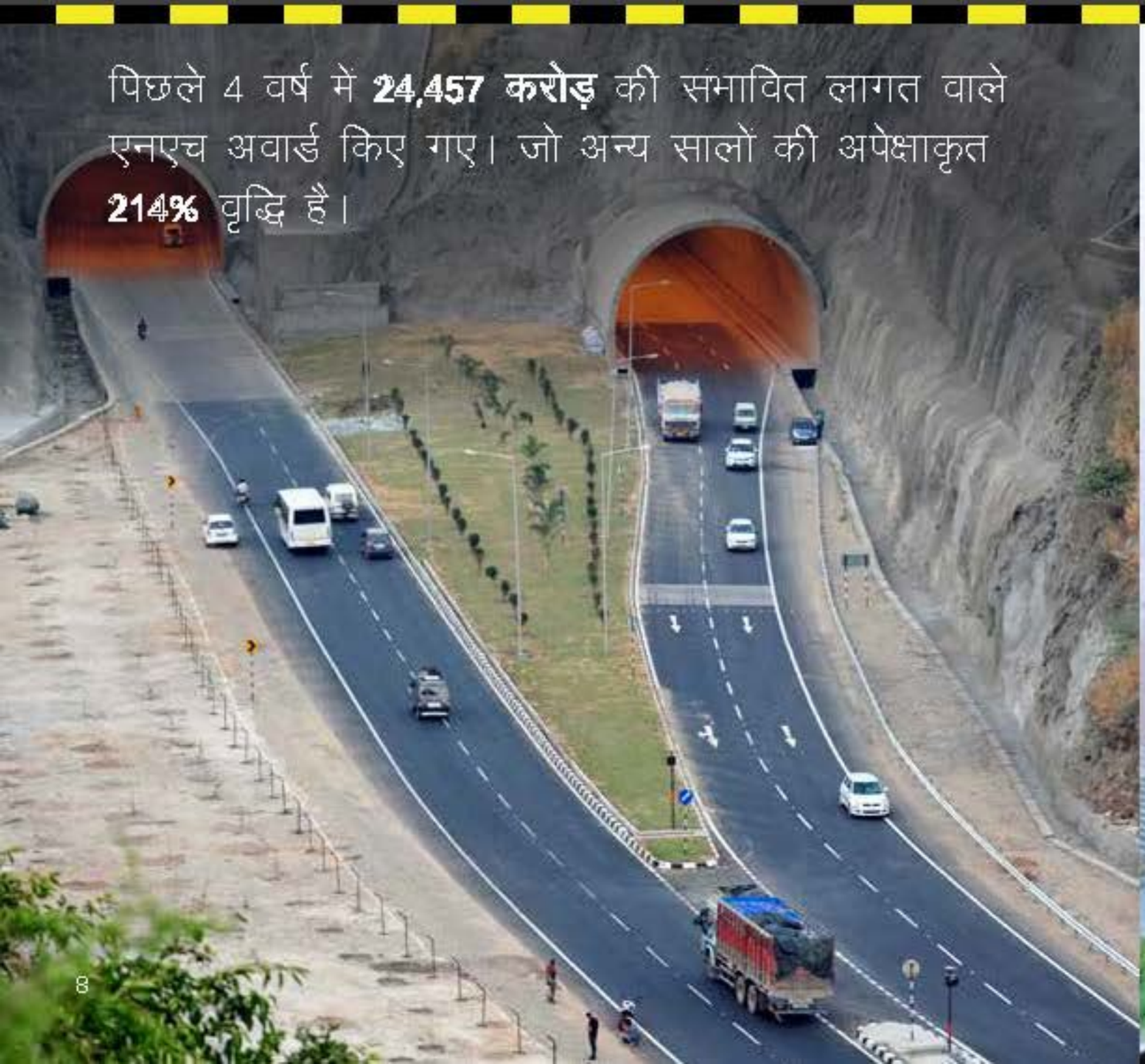

पिछले 4 वर्ष में **24,457 करोड़** की संभावित लागत वाले एनएच अवार्ड किए गए। जो अन्य सालों की अपेक्षाकृत **214%** वृद्धि है।

सीआरएफ के तहत **288%** लागत राज्य में सड़कों और पुलों के उन्नयन और सुधार के लिए स्वीकृत की गई है।

राजस्थान की प्रमुख परियोजनाएं

एनएच-76 में पूर्व-पश्चिम गलियारा (कॉरिडोर) पर कोटा बाईपास के साथ चंबल नदी पर केबल ब्रिज निर्माण से गोल्डन चतुर्भुज योजना को पूरा किया गया

एक नजर

- 1.4 किमी लंबाई
- 275 करोड़ लागत
- 40 माह निर्माण अवधि

लाभ

- इस पुल के बनने से अब पूर्व–पश्चिम गलियारा (कॉरिडोर) में पोरबंदर (गुजरात) से सिलचर (असम) तक बिना बाधा के यातायात सुचारू रहेगा।
- कोटा शहर में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।
- शहर में होने वाली दुर्घटना और प्रदूषण में कमी आएगी।
- दो राष्ट्रीय राजमार्गों यानी एनएच 52 और एनएच 27 से आने वाले यातायात बाहर से निकल जाएंगे।
- पुराने चंबल ब्रिज पर यातायात का दबाव कम होगा।
- राष्ट्रीय घड़ियाल संरक्षण योजना को ध्यान में रखते हुए सारा काम किया गया है।

विशेषताएं

- **700 मीटर** लंबा केबल पुल
- **400 मीटर** का पुल
- **300 मीटर** सड़क चंबल नदी की तरफ
- **3 लेन कैरिज–वे**
- **40 मीटर** सतह निकासी चंबल नदी से
- **2.5 शोर** बाधित संयत्र, (वन्यजीवों को ध्यान में रखते हुए)
- **1.5 मीटर** साइड फुटपाथ
- पुल पर निगरानी संयत्र
- पूरे पुल पर बिजली की व्यवस्था

राजस्थान से गुजरने वाले 3 प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	कुल लंबाई (किमी)	राजस्थान में कुल लंबाई	अनुमानित पूंजी लागत	राजस्थान के लाभान्वित जिले
1	भटिंडा–अजमेर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे	626	489	24.500	हनुमानगढ़, चुरू, सीकर, नागौर, अजमेर
2	दिल्ली–वडोदरा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस–वे	940	442	23.000	अलवर, भरतपुर, दौसा, सवाई माधोपुर, बूंदी, कोटा, झालावाड़
3	संगरिया–संचोर–संथालपुर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे	982	856	25.000	हनुमानगढ़, श्री गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर

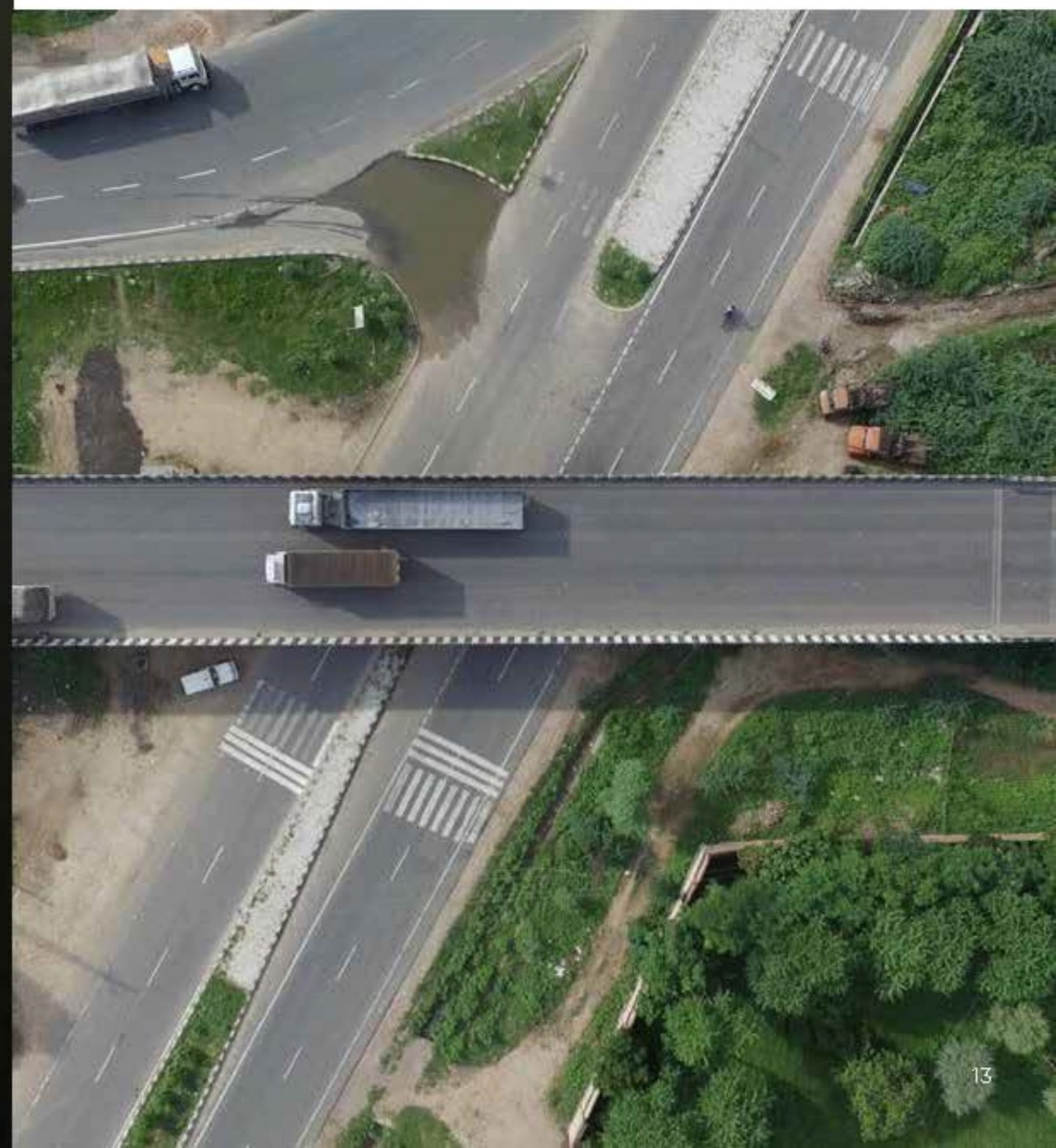

जयपुर दिल्ली एक्सप्रेस-वे

जयपुर से दिल्ली के बीच बेहतर सम्पर्क बनाने के लिए ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस–वे बनाया जाएगा। इससे राज्य के व्यापार, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों के लिए समृद्धि का नया मार्ग बनेगा। जयपुर दिल्ली एक्सप्रेस–वे एनएच –8 पर खेरकी दौला टोल प्लाजा के पास एसपीआर के जंक्शन से शुरू होगा। यह दिल्ली में द्वारका एक्सप्रेस–वे से जुड़ेगा। यह मार्ग हुड्डा रोड से होते हुए पटौदी मार्ग से होकर केएमपी में शामिल होगा। इस एक्सप्रेस–वे के बनने से दिल्ली से जयपुर के बीच उत्पन्न होने वाली यातायात की बाधा खत्म होगी।

एक नजर

- **195.10 किमी** लंबाई
- **5,628 करोड़** रुपए की कुल लागत
- **4 लेन एक्सप्रेस–वे**
- 18,000 यात्री वाहनों का शहर में प्रवेश रुकेगा

जयपुर रिंग रोड

एनएचडीपी चरण-VII के तहत आगरा और अजमेर खंड के बीच 6 लेन जयपुर रिंग रोड का निर्माण बहुत तेजी से हो रहा है।

अक्टूबर–2018 में यह कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। प्रारंभ 12 अप्रैल से काम प्रारंभ हुआ और 12 जून 2018 तक 40 प्रतिशत कार्य हो गया है।

एक नजर

- **46.4 किमी** लंबाई
- **810 करोड़** की कुल लागत

लाभ

- एनएच 11 आगरा, एनएच 8 अजमेर, एनएच 12 टोंक और एसएच 12 मालपुरा मार्ग से आने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा।
- आस–पास के जिलों को शहर में गए बगैर सीधे सम्पर्क मार्ग मिल सकेगा।
- इससे यात्रा समय, ईंधन की बचत होगी।
- अजमेर और पुष्कर जैसे धार्मिक स्थल जाने का मार्ग सुगम होगा।
- राजस्थान और दिल्ली के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।
- रिंग रोड पर प्रस्तावित इंटरचेंजों और महत्वपूर्ण क्रॉसिंग होने से यातायात प्रभावित नहीं होगा।
- स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे।

विशेषताएं

- 2 टोल प्लाजा
- 1 प्रमुख पुल
- 2 छोटे पुल
- 2 फ्लाईओवर
- 2 आरओबी
- 31 अंडरपास
- 1 पीयूपी
- 36 कल्वर
- आंशिक रूप से नियंत्रित

4 लेन कोटा-दरह खंड

एक नजर

- 34.33 किमी लंबाई
- 2 साल निर्माण अवधि
- ईपीसी मोड पर 396 करोड़ रुपए की कुल लागत

लाभ

- कोटा और झालावाड़ जिलो में उद्योग और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा
- भारत के अन्य हिस्सों के साथ राजस्थान और मध्य प्रदेश का सम्पर्क बढ़ेगा

विशेषताएं

- कंक्रीट फुटपाथ के साथ 34.33 किमी मुख्य कैरिज–वे
- कंक्रीट फुटपाथ के साथ 9.52 किमी सम्पर्क मार्ग
- 1 आरओबी
- 7 छोटे पुल
- 8 वीयूपी
- 21 बॉक्स कल्वर
- 35 एचपी कल्वर

विकास और संचालन

सीकर बाईपास और बीकानेर बाईपास से सीकर-बीकानेर खंड का विकास 2-लेन पेव्ड शोल्डर

लाभ

- 237.58 किमी लंबाई
- 2 साल निर्माण अवधि
- 650.84 करोड़ लागत

लाभ

- सीकर और पंजाब के बीच सम्पर्क में सुधार
- राजस्थान में प्रमुख पर्यटन स्थल बीकानेर को बेहतर सम्पर्क प्रदान होगा

विशेषताएं

- बिटुमिनस फुटपाथ के साथ **237.58 किमी** मुख्य कैरिज–वे
- **2 वीयूपी**
- **2 सीयूपी**
- **17.24 किमी** बीकानेर बाईपास
- **19.463 किमी** सीकर बाईपास
- **4 टोल प्लाजा**

राजस्थान में सड़क की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	खोकसला क्षेत्र	परियोजना नाम	नया एनएच	स्वीकृत लागत (करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	अजमेर, नागौर	अजमेर–नागौर खंड में पीपीपी के तहत एनएच–89	89	425.00	148.25	8 / 3 / 13	3 / 31 / 19
2	चित्तौड़गढ़	एनएच–79 के चित्तौड़गढ़–नीमच (4 लेन) पीपीपी के तहत एनएच–113 के निंबाहारा प्रतापगढ़ (2 लेन पेव्ड शोल्डर)	79	511.21	117.00	10 / 1 / 13	10 / 31 / 18
3	नागौर, बीकानेर	नागौर, बीकानेर एनएच–11 पीपीपी के तहत 2 लेन पेव्ड शोल्डर	11	378.07	108.26	1 / 30 / 14	4 / 30 / 19
4	बीकानेर, गंगानगर	पीपीपी के तहत एनएच–15 के बीकानेर–सूरतगढ़ खंड का विकास और संचालन	15	501.08	172.38	9 / 16 / 13	3 / 31 / 19
5	अजमेर, राजसमंद	ब्यावर– गोमती अनुभाग में एनएच–8 पीपीपी के तहत 4 लेन	8	900.00	116.00	10 / 28 / 09	10 / 28 / 20
6	नागौर	ईपीसी मोड पर नागौर बाईपास का निर्माण	58 और 62	155.76	19.23	9 / 7 / 16	10 / 30 / 18
7	बाड़मेर, जालौर	एनएच–325 (पैकेज–2) के जालौर अनुभाग में बालोतरा–सांडेराव बाया दो लेन पेव्ड शोल्डर	325	179.32	24.71	7 / 20 / 17	7 / 19 / 19
8	जालौर–माली	एनएच–325 (पैकेज–3) के जालौर अनुभाग में बालोतरा–सांडेराव बाया दो लेन पेव्ड शोल्डर	325	163.54	34.42	7 / 20 / 17	7 / 19 / 19
9	सीकर, झुंझुनू	एनएच–11 में फतेहपुर से झुंझुनू दो लेन पेव्ड शोल्डर का निर्माण	11	116.31	27.85	4 / 30 / 18	10 / 30 / 19
10	टोंक, सवाई माधोपुर	एनएच–552 (ई) में सवाई माधोपुर– रयोपुर खंड की चौड़ाई, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण	552(ई)	187.82	33.90	4 / 16 / 18	10 / 15 / 19
11	चुरू, झुंझुनू	राजगढ़–हरियाणा सीमा खंड में 2–लेन पेव्ड शोल्डर सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण	709 (ई)	163.95	54.67	5 / 15 / 18	11 / 14 / 19
12	बाड़मेर	एनएच– 325 के जालोर खंड में 2–लेन पेव्ड शोल्डर बालोतरा से सांडेराव तक पुनर्निर्माण	325	131.28	31.25	5 / 11 / 18	11 / 10 / 19
13	बांसवाड़ा	एनएच–927 (ए) बाजवाना– बांसवाड़ा खंड में 2–लेन पेव्ड शोल्डर पुनर्निर्माण	927 (ए)	96.90	23.88	5 / 15 / 18	11 / 14 / 19
14	उदयपुर	58 (ई) के कुंडल–झडोल खंड में 2–लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	58 ई	370.3	58.03	5 / 21 / 18	12 / 31 / 19

राजस्थान में सड़क की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	नया एनएच	स्वीकृत लागत (करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
15	उदयपुर	एनएच–58 (ई) के झाड़ोल–दय्या (गुजरात सीमा) खंड में 2–लेन पेव्ड शोल्डर उन्नयन	58 (ई)	341.79	59.70	5/21/18	11/20/19
16	अजमेर	अजमेर–नसीराबाद रोड एनएच –79 पर मौजूदा सड़क के दोनों तरफ सेवा सड़क का निर्माण	79	12.59	1.8	2/18/17	12/17/18
17	झालावाड़	एनएच–12 पर झालावाड़ शहर में चार लेन सीसी सड़क का निर्माण	12	80.68	4.20	2/13/17	9/11/18
18	झुंझुनू	एनएच–11 के झुंझुनू–चिरावा खंड में सुदृढीकरण	11	44.9481	31.7	2/15/18	1/14/19
19	जयपुर	एनएच–148 (बी) के हरियाणा सीमा खंड में पनियाला मोड को सुदृढ़ बनाना	148 (बी)	11.4927	5	2/16/18	1/15/19
20	कोटा, झालावाड़	एनएच–12 पर 298 से 318 तक मौजूदा फुटपाथ को सुदृढ़ बनाना	52	30.295	20	2/4/18	1/3/19
21	अजमेर	एनएच–89 पर नागौर शहर में 163/500 किमी से 165/300 किमी तक सुदृढ़ बनाना	89	4.199	1.8	3/9/18	10/8/18
22	नागौर, जोधपुर	एनएच–65 के मंडोर खंड में नेत्रा गांव तक 4 लेन सड़क का निर्माण	65	376.61	28.57	1/21/15	7/31/18
23	कोटा	कोटा बाईपास का पैकेज–ए 2–लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण	76/12	78.58	10.3	6/25/15	12/31/18
24	नागौर	एनएच –65 जोधपुर अजमेर रोड पर आरओबी का निर्माण	65	29.23	1.173	एलओए 9–5–2018	–
25	चुरू	जिला चुरु में सदलपुर रेलवे स्टेशन के पास आरओबी का निर्माण	709 Extn	24.79	0.5	एलओए 30–4–18	–
26	कोटा	एनएच–12 के कोटा–दरह खंड पर चार लेन सीसी सड़क का निर्माण	12	621.43	34.33	8/10/16	11/9/18

राजस्थान में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	नया एनएच	स्वीकृत लागत (करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	बाड़मेर	एनएच–15 के अनुभाग बाड़मेर–सांचोर–गांधव पुल गुजरात सीमा (लंबाई 106. 300 किमी)	15	538.08	106.3	13.08.2015	30–06–2018
2	बाड़मेर	मुनाबाव (एनएच –25 ई) – सुंदर– म्याजलार–धनानंद– आसोतरा– घोटारू–तनोट (डिजाइन चेंज 46.00 किमी और 82.60 से 310.467 किमी)	70	1158.35	273.87	26.03.2018 को एलओए जारी	
3	बाड़मेर	जैसलमेर (एनएच–11) भदेसर–रामगढ़– तनोट और भदेसर– बिली (पैकेज–5)	68	913.91	193.52	23.02.2018 को एलओए जारी	
4	बाड़मेर, जालौर	गंगरिया (एनएच–25) – बावड़ी कलां–सेर्वा–सता–बखसर और सता गांधव (पैकेज–8)	925 और 925 (ए)	1134	196.97	19.02.2018 को एलओए जारी	
5	बीकानेर, जोधपुर	एनएच–15 के बीकानेर (किमी 4.20) से फलोदी (किमी 163.5)	15	844.08	159.243	14.10.2015	31–12–2018
6	जोधपुर, बाड़मेर	एनएच–15 के फलोदी (किमी 163.400) जैसलमेर (किमी 323.857) तक	15	726.89	160.457	11.09.2015	30–11–2018
7	बीकानेर	एनएच–911 के चारणवाला–नोख–बाप खंड	911	874.25	212.11	27.03.2018 को एलओए जारी	
8	बीकानेर	रायसिंहनगर – अनूपगढ़ – घरसन – रोजरी – सत्तासर – पुगल– (भाग–2) (पैकेज–6)	एनएच घोषित नहीं किया गया	1250	162.46	27.02.2018 को एलओए जारी	
9	टोंक, सवाई माधोपुर	एनएच–116 राजस्थान में टोंक (किलोमीटर 1.300) से सवाईमाधोपुर (किलोमीटर 69.750)	116	261.9	66.8	18.01.2017	17–01–2019
10	भीलवाड़ा, बूंदी–कोटा	एनएच–148 (डी)गुलाबपुरा (किलोमीटर 69.267) से यूनियारा (282.9 36) तक	148 (डी)	717.25	203.977	30.10.2015	31–08–2018
11	बांसवाड़ा से दाहोद तक	एनएच–113 के पढ़ी (किमी 180,000) से दाहोद (किमी 265.59) तक	113	371.72	85.588	19.11.2014	30–09–2018
12	भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़	एनएच–79 गुलाबपुरा (90.000 किमी) से चित्तौड़गढ़ (214. 870 किमी) तक	79	1377.63	124.87	04.11.2017	20/5/2020
13	भीलवाड़ा	एनएच–79 और एनएच–79 (ए) में किशनगढ़ (0.000 किमी) से गुलाबपुरा (90. 000किमी) तक	79 (ए) और 79	1183.48	90	21.02.2018	18–08–2020
14	दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर	एनएच 11 (ए) में दौसा–लालसोट– कोदून सेक्शन। (0.000 से 83.453 किमी)	11 (ए) एक्सटेंशन	881	83.453	31.05.2017	26–11–2019
15	करौली और धौलपुर	एनएच–11(बी) में करौली (83.9 60 किमी) धौलपुर (184.460 किमी) तक	11 (बी)	261	100.9	16.09.2014	31–12–2018

राजस्थान में एनएचएआई की चल रही परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	नया एनएच	स्वीकृत लागत (करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
16	धौलपुर, भरतपुर और फतेहपुर–सीकरी	एनएच–123 के उंचा नागला (0.000 से 75.008 किमी) से धौलपुर तक	123	265.79	75.008	24.02.2016	31–08–2018
17	दौसा, जयपुर (ग्रामीण)	मनोहरपुर– एनएच –11 (ए) के दौसा खंड (नया एनएच–148)	11 (ए)	249.04	62.318	20.10.2016	19–10–2018
18	जयपुर (ग्रामीण), अलवर, गुड़गांव	गुड़गांव – कोटपुटली – जयपुर खंड एनएच–8 (नया एनएच–48)	48	3269.6	225.6	03.04.2009	31–10–2018
19	जयपुर	राजस्थान में आगरा रोड (0.300 किमी) से अजमेर रोड (46.700 किमी) से जयपुर रिंग रोड तक बैलेंस काम		1216.67	46.4	18.01.2018	31–10–2018
20	सॉजत, जैतारण, भोपालगढ़ और बिलारा	एनएच–112 के बर–बिलाड़ा–जोधपुर (0.000 से 111.000 किमी)	112	1248.59	109.655	27.03.2017	23–09–2019
21	सूरसागर, लूनी, भोपालगढ़, बिलारा	जोधपुर रिंग रोड पैकेज–1 डांगियावास 4–लेन सड़क (96.595 किमी से एनएच–112) जाजीवाल (283.500 किमी से एनएच–65)		1300.11	74.619	08.02.2018 समझौते पर हस्ताक्षर किए	
22	कोटा–बूंदी, भीलवाड़ा	देवली (165/0 किमी) से एनएच–76 कोटा बाईपास तक	12 (नया एनएच–52)	593.38	82.81	05.01.2011	30–04–2018
23	झालावाड़– बरन	एनएच–12 में झालावाड़ तीनधार तक 299.000 से 346.540 किमी 4–लेन सड़क का विकास किया जाएगा	12 (नया एनएच–52)	1316.83	48.88	16.11.2017 समझौते पर हस्ताक्षर किए	
24	चुरु, सीकर, झुझनू	एनएच–52 और 58 में राजस्थान सीमा (0.000 किमी) से सालासर (154.141 किमी) तक	65 (नया एनएच–52 और 58)	530.07	154.141	06.02.2014	30–11–2018
25	चुरु और नागौर	एनएच–65 में सालासर (154.141 किमी) से नागौर (270.735 किमी) तक	65 (नया एनएच–58)	832.43	119.594	28.03.2017	31–10–2018
26	चित्तौड़गढ़ और उदयपुर	उदयपुर बाईपास (एनएच–76 के बीच संपर्क मौजूदा 118.500 किमी देबारी से एनएच–8 287.400 किमी काया गांव तक)	48	990	23.883	30.11.2017	29–11–2019
27	चित्तौड़गढ़	एनएच–76 के चित्तौड़गढ़ और उदयपुर खंड	76	1405	93.5	03.07.2017	29–12–2019
28	उदयपुर,बांसवाड़ा, साबरकांठा (गुजरात)	न्कंपचनत (333.585 किमी) से शामलाजी (447.385 किमी) वि छभ–8 (मौजूदा संपर्क 287.400 किमी से 401. 200 किमी तक)	8	2088	113.8	03.09.2017	29–02–2020

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम संख्या	विस्तार	लगभग लंबाई 30/11/2017
1	एनएच –48 के नारायण, सम्भर, नवन, नारायणपुरा, कुचामन सिटी, बुर्सू, तोशिना और एनएच 458 के पास चोटी खातु में समाप्त	150
2	प्रतापगढ़, धारयावाड़, सलूम्बर को मंदसौर से जोड़ते हुए एनएच–927 (ए) में डुंगरपुर के पास समाप्त (राजस्थान में लंबाई = 171 किमी, मप्र= 11 किमी)	171
3	एनएच–11 में फलौदी से सम्पर्क नागौर, तरनाऊ, छोटी एनएच–458 खाटू में समाप्त	220
4	कवई के पास एनएच –752 के जंक्शन से छबरा को जोड़ने और सदा कॉलोनी के पास एनएच–46 में समाप्त होने (राजस्थान में लंबाई = 45 किमी, मप्र= 17 किमी)	45
5	अनूपगढ़–सूरतगढ़	72
6	झिरका फिरोजपुर (हरियाणा) – पहदी–नगर– महुवा– हिंदुओं– करौली– नंदरेल–मुहाना (एनएच –46 पर मप्र) (कुल लंबाई = 312 किमी, हरियाणा = 15 किमी, राजस्थान = 210 किमी,मप्र= 87 किमी)	210
7	सिरसा– नोहर– तारनगर– चुरु (एनएच–65 पर) (कुल लंबाई = 177 किमी, हरियाणा= 34 किमी, राजस्थान=143 किमी)	143
8	जालोर– रामसिंन– भीनमान करदा– संचोर (एनएच–16 8 का विस्तार)	136
9	जोधपुर बाईपास	88.5
10	बरन– खानपुर–झालावाड़ से विस्तार	82
11	कोटा से विस्तार (एनएच –27) – कैथून – सांगोद–बापौर–कवाई (एनएच –752 पर)	90
12	कोकरी, सरवर के माध्यम से देवली (एनएच –52 पर) नसीराबाद (एनएच –48 पर) से विस्तार	100
13	सीकर से विस्तार– झुझनू (नवलगढ़ के माध्यम से)	60
14	चिरावा से लोहरु तक विस्तार वाया सूरजगढ़ (लंबाई= 28 किमी, राजस्थान में 25 हरियाणा में 3 किमी)	25
15	कोटा– रावतभाटा से विस्तार – सिंगोली–रतनगढ़–मोरवान–मनसा–नारायणगढ़– पिपलिया मंडी– मंदसौर (राजस्थान= 68 किमी, मप्र=115 किमी)	68
16	लालसॉट (एनएच –23 पर) से विस्तार – सवाई माधोपुर (एनएच–148 डी पर)	65
17	रोहत से (एनएच–62 पर) अहोरे (एनएच–325 पर)	94
18	खरिया से (एनएच –25 पर)– रांसी–बोरुंडा–गॉटन और रन के पास एनएच –58 के साथ जंक्शन तक विस्तार	85
19	देसुरी से (एनएच –16 2 पर) – सादरी–लुनावा–बेरा – कगदरा– पिंडवाड़ा तक विस्तार	90
20	मथुरा से भरतपुर–बायाना– हिंडन तक विस्तार (उप्र= 24 किमी, राजस्थान= 101 किमी)	101
21	गंगापुर– सवाई माधोपुर से विस्तार	75
22	मथुरा से गोवर्धन– दिग–नगर तक विस्तार (राजस्थान= 31 किमी, = 31 किमी)	31
23	दौसा से निकल– लोवान–चक्षू–फागी– दूदू तक विस्तार	137
24	बाप –शेखासर–सिंहदर– रामदेवड़ा	50
25	बाप–जम्बा– मोती– पडियाल– रानीसर– भोजासर– आऊ	50
26	पोखरण–संकडा –भैंसरा–फतेहगढ़	80
27	एनएच–15 कानसिंह की सीड– जम्भा–शैतान सिंह नगर–लोहावत–मेगा राजमार्ग	106.6
28	मारवार जंक्शन–कमलिघाट	50
29	सोजत–सिरियारी–देसूरी	93
30	सांडेराव– बाली–सादरी	43
31	चारभूजा–गोमती चौराहा	9
32	आगरा–जगनर–मसलपुर (उप्र–60.00 और राजस्थान–33.00)	33

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम संख्या	विस्तार	लगभग लंबाई 30/11/2017
33	कलवार से जयपुर रिंग रोड	14
34	उनियारा– इन्द्रगढ़	27
35	लखेरी–इटावा– मंगरोल	61
36	नाचना– रामदेवरा– फलसूंड– बायतु	210
37	नाथुसरी–भाद्र–सिंधमुख–सदुलपुर– मलसीसर–झुनझुनू–गुधा–उदयपुरवती (हरियाणा –13.00 और राजस्थान –200.00)	200
38	जुर्हेरा–पलवल (हरियाणा– 66.00 और राजस्थान – 3.00)	3
39	डूंगरगढ़–सरदारशहर–तारनगर–राजगढ़–बहल–ओवरा–कैरू–लोहानी (हरियाणा –46.00 और राजस्थान–180.00)	180
40	सोयला– ओसियां– तिवरी– बालेसर	126
41	सूरतगढ़– बडोपाल दूजखारंवाली– भैरूसरी – रावतसर	57
42	महाराष्ट्र में एडलाबाद के नजदीक एनएच–6 – बुरहानपुर – बोर्गांव–चेगांवमखन – देशगांव – बोरवाहा–इंदौर–उज्जैन – राजस्थान में झालावाड़ में एनएच–12 के साथ जंक्शन में समापन (मप्र= 391 किमी, महाराष्ट्र= 15 किमी, राजस्थान = 42 किमी)	42
43	बरन– मांगरोल– श्योपुर (कुल लंबाई = 80 किमी, मप्र= 37, राजस्थान= 43 किमी)	43
44	धार–नागदा–रतलाम–मंदसौर–नीमच– मप्र– राजस्थान सीमा के पास एनएच–156 के साथ जंक्शन (कुल लंबाई= 2 9 1 किमी,मप्र= 24 9 किमी,राजस्थान= 42 किमी	42
45	मप्र– राजस्थान सीमा– पारन– फतेहगढ़– गुना (कुल लंबाई= 9 8किमी, मप्र= 76 किमी, राजस्थान= 22किमी)	22
46	जयपुर बाईपास	13.6
47	सीकर – कुचमन सिटी	68.4
48	कुचमन सिटी– किशनगढ़	73.6
49	तेंदवार– सिंघाना	42
50	तीतान्वर– उदयपुरवती	24
51	उदयपुरवती– सीकर	38.8
52	गंगानगर (एनएच –62) – रायसिंहनगर– अनूपगढ़ – रोझरी–आवा–पोगल– बरसपुर–रंजीतपुरा– चरनवाला– नौख–बाप	397
53	जैसलमेर (एनएच –11) – कनोड–घंटियाली– नचना–चिन्नू–नौख	169
54	भादासर – बिली – पाकिस्तान सीमा तक	84
55	नचना– बालन (बाबला)	47
56	नचना – भरवाला	40
58	पागल– अलादीन के बेरा– बरियानवाला	60
59	बाप–कानसार– नचना	83
60	रामदेवरा– पोखरण– फालसंद– अंडू–कश्मीर– भद्रा– एनएच 15–उत्तरलाई एयर बेस	210
61	अबू रोड (एनएच –27) – माउंट आबू	10

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

सड़क की कहानी
राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगति का नया दौर

राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास हुआ तेज
राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे की लंबाई में वृद्धि

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
91,287 किमी
वर्ष 2010-2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
1,26,350 किमी
वर्ष 2014-2018

नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण
पिछले 4 साल में 86,371.5 नए और सैद्धांतिक राष्ट्रीय राजमार्ग बनाए गए हैं।

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
वर्ष 2010-2014

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
+
सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई
51,980 किमी
कुल लम्बाई
86,371.5 किमी
वर्ष 2014-2018

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में तेजी
पिछले 4 साल में 2–4 किमी से 28 किमी प्रतिदिन राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण दक्षता में वृद्धि की गई।

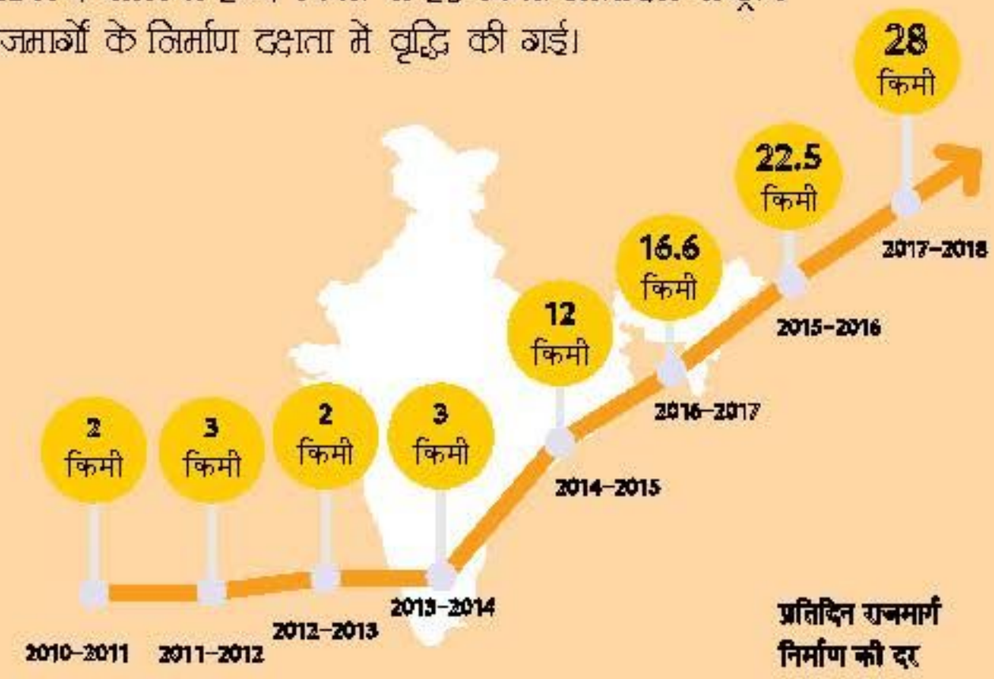

सड़कों का निर्माण
4 वर्षों में सड़क क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश
सड़क निर्माण कार्य में 158% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010-2014
19,444 किमी
कुल लागत
1.16 लाख करोड़

वर्ष 2014-2018
28,532 किमी
कुल लागत
3 लाख करोड़

अवार्ड किए गए काम

100% वृद्धि के साथ अवार्ड सड़क पर खर्च की जाने वाली लागत 4.68 लाख करोड़ रुपए

वर्ष 2010–2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई	कुल लागत
25,609 किमी	1.62 लाख करोड़

वर्ष 2014–2018

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई	कुल लागत
51,075.32 किमी	4.68 लाख करोड़

सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

सेंट्रल रोड फंड (सीआरएफ) कार्यों की लागत में 207.6% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010–2014

935 परियोजनाओं

कुल लागत 8,613.51 करोड़

2,876 परियोजनाओं

कुल लागत 48,186.57 करोड़

वर्ष 2014–2018

भारतीय परिवहन क्षेत्र में सुधारात्मक पहल

2014–2018 में महत्वपूर्ण प्रयास

पिछले चार वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न तरह की अच्छी कोशिश की गई है। जिसमें पारदर्शी प्रक्रिया, सुदूर क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से जोड़ने, सड़क दुर्घटना में कमी लाने, श्रमिकों को प्रशिक्षण के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए गए हैं।

मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2017: पारदर्शिता लाने, भ्रष्टाचार को कम करने

ई-टोल: पारदर्शिता सुनिश्चित करने, फास्टैग प्रणाली, समय-ईंधन की बचत, टोल प्लाजा में लंबी कतारों को कम करने

ई-रिक्शा: मानव को मानव द्वारा ढोने की अमानवीय प्रथा को खत्म करने तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने

एलएमवी और एलसीवी ड्राइवरों के लिए वाणिज्यिक लाइसेंस की आवश्यकता से छूट

हर जिले में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खुलेगा, 22 लाख कुशल चालकों की कमी दूर होगी

2017 तक सड़क दुर्घटनाओं से मौत में 0.2% – 15% कमी

सड़क दुर्घटना कम करने के लिए वार्षिक सुरक्षा योजना

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मुआवजा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए की गई

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनजीओ के साथ भागीदारी करना

देश में प्रदूषण की बढ़ती समस्या को हल करने के लिए ग्रीन ईंधन का विकल्प अपनाने का रास्ता निकाला गया है। इसके लिए बैटरी चालित, इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए गए हैं। वाहनों के प्रदूषण उत्सर्जन मानकों को अपग्रेड किया गया है। जैव ईंधन बी –100, फ्लेक्स-ईंधन ई –85 या ई –100 और इथेनॉल ईडी –95, मेथनॉल एम –15 या एम –100 और मेथनॉल एमडी-95 के साथ बीएस मानदंड मानकीकृत किए गए हैं। भारत में 15% मेथनॉल मिश्रण कर लगभग 31.9 मिलियन टन कच्चे तेल को पेट्रोलियम पदार्थों में बदला जा सकता है। कच्चे तेल की कीमत 54 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है। इससे स्वच्छ ऊर्जा जैव ईंधन के उपयोग से ईंधन लागत में कमी आएगी। स्वच्छ गैसोलीन की तुलना में, एम –15 सीओ और एचसी उत्सर्जन को 40% कम कर देता है। जैव ईंधन भारत में वाहन प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद करेगा।

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम वाहन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करना

वाहनों की फिटनेस की जांच के लिए आदर्श स्वचालित केंद्र स्थापित करना

बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण का कार्यक्रम

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नियमों का सरलीकरण

वाहनों की स्पीड वैश्विक प्रथाओं के अनुसार 100 किमी प्रति घंटा से 120 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाई गई

टैक्सी नीति के लिए नए दिशानिर्देश बनाए गए, जिससे ट्राफिक जाम और दुर्घटना को रोका जा सके

भारत में पहली बार पुलों की गणना की गई है। इसके लिए पुल प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) का गठन किया गया। पिछले तीन साल में देश के अंदर स्थित सभी पुलों की गणना की गई और उनकी स्थिति का विश्लेषण कर पूरी जानकारी संग्रहित की गई है। देश में अभी तक 1,72,519 पुलों की पूरी जानकारी एकत्र की जा चुकी है। ये पुल कब बने, इस समय किस स्थिति में हैं। उनकी मरम्मत का काम कब होना चाहिए। इससे उन पुलों के रखरखाव और पुर्ननिर्माण का काम आसानी से हो सकेगा।

देश में सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए कई तरह के अन्य प्रयासों के साथ सबसे ज्यादा दुर्घटना वाली जगहों की पहचान की गई है। देश में 789 ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उसमें सुधार का काम किया जा रहा है। कुछ जगहों की सड़क की डिजाइन में बदलाव कर सुधारा जा रहा। सूचना चिंह लगाए जा रहे हैं। 265 ब्लैक स्पॉट में सुधार का काम किया जा चुका है।

318 ब्लैक स्पॉट को सुधारने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। पहचान की गई सड़कों में राज्य सरकार की सड़कों को दुर्घटनाविहीन बनाने का विभिन्न चरणों में हैं। राज्य सरकार की सड़कों पर या अन्य एजेंसियों के साथ 139 ब्लैक स्पॉट में 67 ब्लैक स्पॉट पर अलग-अलग काम तेजी से चल रहा है।

साफ नीयत
सही विकास

www.nitingadkari.org

www.facebook.com/nitingadkary

www.twitter.com/nitin_gadkari

www.spreadoo